

Padma Shri



SHRI AMAI MAHALINGA NAIK

Shri Amai Mahalinga Naik is an innovative farmer from Dakshina Kannada District of Karnataka who is known for tirelessly digging tunnels to irrigate his barren land and transforming it into lush green farm. He single handedly dug 7 tunnels to bring water to his farm. He is a living example for perseverance, optimism and determination. He is known as “One-Man Army” and “Tunnel Man” in his surrounding areas.

2. Born on 20th April 1944, Shri Naik constructed 300 percolation trenches, all alone to increase the groundwater levels. He built 2 revetments and a tank of 12000 litres capacity. Now his land hosts Arecanut Palms, Coconut Trees, Cashew Trees, Banana plant, cacao plants and Pepper Vines. He was working as agriculture labour in and around Adyanadka. His landlord gifted him 2 acres of land in which he started digging horizontal tunnels. He is known as water warrior. Failures never deter his determination and he finally got water at his 6th attempt and he is able to lead a self-sustaining life with the water from the tunnel. His success story was brought to lime light by Dr.Varanashi Krishnamoorthy and Adike Pathrike editor Shree Padre. Now thousands of farmers visit his land to know more about the farming methods, particularly to learn about water supply and water conservation he has adopted.

3. Shri Naik's endeavour has been telecast in the 'Water Warrior' series on Doordarshan. History TV18 has telecasted an episode about him in its "OMG! Yeh mera India" episode. The multimedia research centre of Mysore University has prepared a documentary titled Incredible Tale of a water warrior. This movie won Jury Special Mention Award at 10th National Science Film Festival of India (NSFFI -2020), organised by Vigyan Prasara and Tripura State Council of Science & Technology at Tripura. Senior Developmental Journalist, Shree Padre has written a booklet titled "Guddadamelina Eka Vyakthi Synya."(One Man Army of the hillock) It was published by Krishi Madhyama Kendra Dharwad. The honorable Prime Minister Shree Narendra Modi applauded his achievements in his 85th edition of "Man ki Bath" programme. His farm has become a model-farmland and has over 1000 visitors a year including the foreign tourists.

4. Shri Naik was honoured with Varanashi Farmer of the year award - a big recognition to the small farmer in 2004. He also received "Krishi Panditha award" from the Agriculture Department, Government of Karnataka. Mangalore press club also honored him for his achievements.

पद्म श्री



श्री अमै महालिंग नाइक

श्री अमै महालिंग नाइक, कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के एक इनोवेटिव किसान हैं, जो अपनी बंजर जमीन को सींचने के लिए अथक रूप से टनल खोदने और उसे हरे-भरे खेतों में बदलने के लिए मशहूर हैं। उन्होंने अपने खेतों तक पानी लाने के लिए अकेले अपने दम पर 7 टनल खोदीं। वह लगन, आशावाद और दृढ़ संकल्प का एक जीता जागता उदाहरण हैं। वह अपने आसपास के इलाकों में "वन-मैन आर्मी" और "टनल मैन" के नाम से विख्यात हैं।

2. 20 अप्रैल 1944, को जन्मे, श्री नाइक ने भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए अकेले ही 300 अंतःस्रावी खाइयों का निर्माण किया। उन्होंने 2 रिवेटमेंट और 12000 लीटर क्षमता की एक टंकी बनाई। अब उनकी जमीन पर सुपारी के पेड़, नारियल के पेड़, काजू के पेड़, केले के पौधे, कोको के पौधे और काली मिर्च की बेलें हैं। वह अद्यानाडका और उसके आसपास कृषि मजदूर के रूप में काम करते थे। उनके जमींदार ने उन्हें दो एकड़ जमीन उपहार में दी, जिसमें उन्होंने क्षैतिज टनल खोदना शुरू किया। उन्हें जल योद्धा के रूप में जाना जाता है। असफलताएं कभी उनके दृढ़ संकल्प को रोक नहीं सकीं और आखिरकार अपने छठे प्रयास में उन्हें पानी मिल गया और वह टनल के पानी के साथ एक आत्मनिर्भर जीवन जी रहे हैं। डॉ. वाराणसी कृष्णमूर्ति और आदिके पत्रिका के संपादक श्री पादरे उनकी कामयाबी की कहानी को सामने लेकर आए। अब हजारों किसान, खेती के तरीकों के बारे में और ज्यादा जानने के लिए, खास तौर पर जल आपूर्ति और जल संरक्षण के उनके तरीकों के बारे में जानने के लिए उनके पास आते हैं।

3. दूरदर्शन पर 'वाटर वॉरियर' सीरीज में श्री नाइक की कोशिश को दिखाया गया। हिस्ट्री टीवी18 ने अपने "ओएमजी! ये मेरा इंडिया" कार्यक्रम में उनके बारे में एक एपिसोड प्रसारित किया है। मैसूर विश्वविद्यालय के मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र ने 'इन्क्रेडिबल टेल ऑफ ए वाटर वारियर' नामक एक वृत्तचित्र तैयार किया है। इस फिल्म ने त्रिपुरा में विज्ञान प्रसार और त्रिपुरा स्टेट काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित 10वें भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान फिल्म महोत्सव (2020) में जूरी स्पेशल मेंशन अवार्ड जीता। वरिष्ठ विकासवादी पत्रकार श्री पादरे ने "गुड्डादामेलिना एका व्यक्ति सिन्या" (वन मैन आर्मी ऑफ द हिल्लॉक) नामक एक पुस्तक लिखी है। यह पुस्तक कृषि माध्यम केंद्र धारवाड़ द्वारा प्रकाशित की गई थी। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने "मन की बात" कार्यक्रम के 85 वें संस्करण में उनकी उपलब्धियों की सराहना की। उनका खेत एक आदर्श-खेत बन गया है और विदेशी पर्यटकों के साथ-साथ 1000 से अधिक लोग हर वर्ष इसे देखने आते हैं।

4. श्री नाइक को वर्ष 2004 में वाराणसी फार्मर ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया — जो एक छोटे किसान के लिए एक बड़ी पहचान थी। कृषि विभाग, कर्नाटक सरकार से उन्हें "कृषि पंडित पुरस्कार" भी मिला। मंगलौर प्रेस क्लब ने भी उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें सम्मानित किया है।